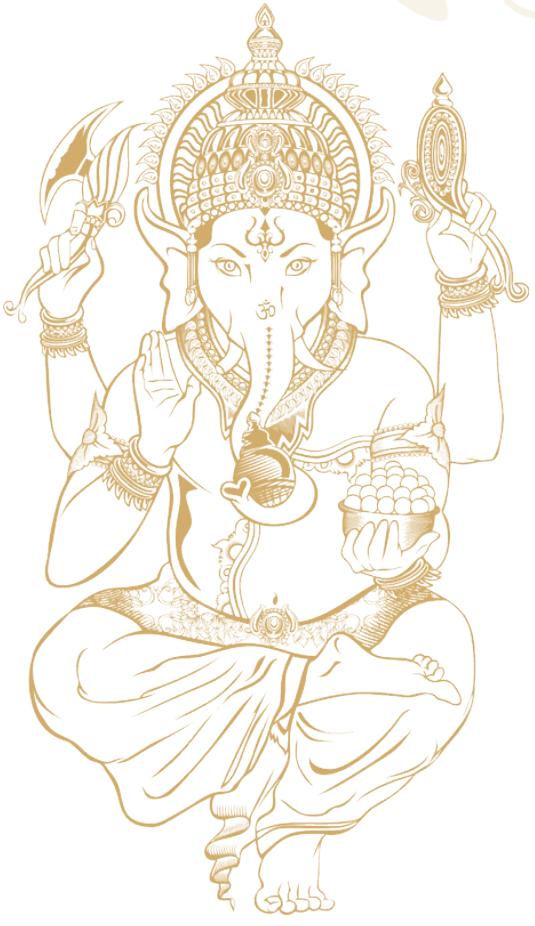

Lakhvinder Singh Sonu

07 Jan 1997

07:05 PM

Hanumangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121286002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/01/1997**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:05:00 घंटे**
इष्ट	29:00:38 घटी
स्थान	**Hanumangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:33:00 उत्तर
रेखांश	74:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:32:24 घंटे
वेलान्तर	-00:06:16 घंटे
साम्पातिक काल	01:41:01 घंटे
सूर्योदय	07:28:44 घंटे
सूर्यास्त	17:49:16 घंटे
दिनमान	10:20:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:29:09 धनु
लग्न के अंश	10:29:04 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	10:29:04	305:17:44	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	---
सूर्य			धनु	23:29:09	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	01:06:03	14:35:07	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	07:28:06	00:17:20	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
बुध	व		धनु	11:21:14	00:50:54	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			मक	02:52:48	00:14:01	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शुक्र			धनु	02:50:53	01:15:07	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			मीन	07:53:00	00:03:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कन्या	08:08:12	00:11:10	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	08:08:12	00:11:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	09:49:20	00:03:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	03:15:24	00:02:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	10:47:01	00:01:53	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			मेष	03:23:41	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:57

लग्न-चलित

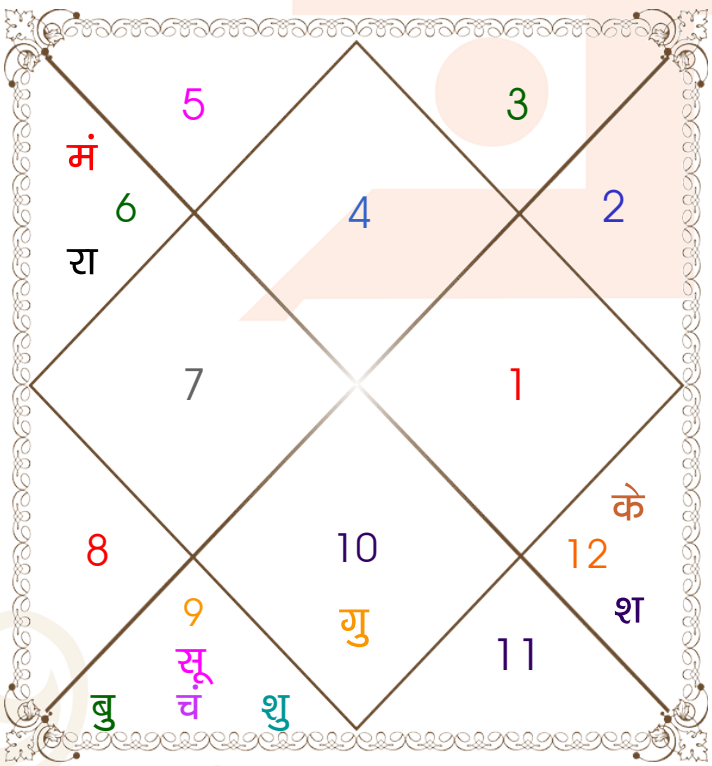

चन्द्र कुंडली

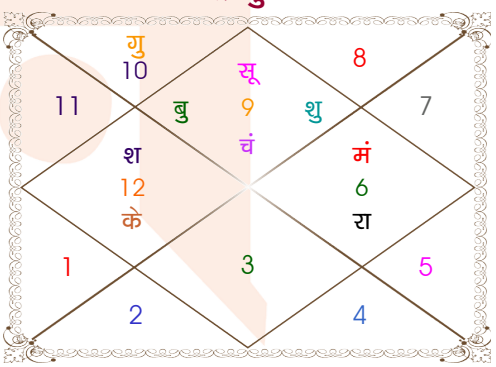

नवमांश कुंडली

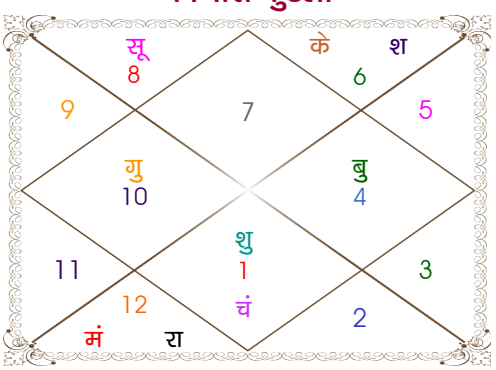

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 5 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/01/1997		11/06/2003		11/06/2023		10/06/2029		11/06/2039	
11/06/2003		11/06/2023		10/06/2029		11/06/2039		11/06/2046	
	07/01/1997	शुक्र	10/10/2006	सूर्य	29/09/2023	चंद्र	11/04/2030	मंगल	07/11/2039
शुक्र	06/01/1998	सूर्य	11/10/2007	चंद्र	29/03/2024	मंगल	10/11/2030	राहु	25/11/2040
सूर्य	14/05/1998	चंद्र	10/06/2009	मंगल	04/08/2024	राहु	11/05/2032	गुरु	01/11/2041
चंद्र	13/12/1998	मंगल	11/08/2010	राहु	29/06/2025	गुरु	10/09/2033	शनि	10/12/2042
मंगल	12/05/1999	राहु	10/08/2013	गुरु	17/04/2026	शनि	11/04/2035	बुध	08/12/2043
राहु	29/05/2000	गुरु	10/04/2016	शनि	30/03/2027	बुध	10/09/2036	केतु	05/05/2044
गुरु	05/05/2001	शनि	11/06/2019	बुध	03/02/2028	केतु	11/04/2037	शुक्र	05/07/2045
शनि	14/06/2002	बुध	11/04/2022	केतु	10/06/2028	शुक्र	10/12/2038	सूर्य	10/11/2045
बुध	11/06/2003	केतु	11/06/2023	शुक्र	10/06/2029	सूर्य	11/06/2039	चंद्र	11/06/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/06/2046		10/06/2064		10/06/2080		11/06/2099		11/06/2116	
10/06/2064		10/06/2080		11/06/2099		11/06/2116		00/00/0000	
राहु	21/02/2049	गुरु	29/07/2066	शनि	14/06/2083	बुध	08/11/2101	केतु	07/11/2116
गुरु	17/07/2051	शनि	09/02/2069	बुध	21/02/2086	केतु	05/11/2102	शुक्र	08/01/2117
शनि	23/05/2054	बुध	18/05/2071	केतु	02/04/2087	शुक्र	05/09/2105		00/00/0000
बुध	10/12/2056	केतु	23/04/2072	शुक्र	02/06/2090	सूर्य	12/07/2106		00/00/0000
केतु	28/12/2057	शुक्र	23/12/2074	सूर्य	15/05/2091	चंद्र	12/12/2107		00/00/0000
शुक्र	28/12/2060	सूर्य	11/10/2075	चंद्र	13/12/2092	मंगल	08/12/2108		00/00/0000
सूर्य	22/11/2061	चंद्र	09/02/2077	मंगल	22/01/2094	राहु	27/06/2111		00/00/0000
चंद्र	24/05/2063	मंगल	16/01/2078	राहु	28/11/2096	गुरु	02/10/2113		00/00/0000
मंगल	10/06/2064	राहु	10/06/2080	गुरु	11/06/2099	शनि	11/06/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 4 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।